हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 8 अगस्त 2025

तापमान
अधिकतम 37 .5 डिग्री
न्यूनतम 22 .6 डिग्री

11 खंड स्तरीय खेलों में खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

12 स्वतंत्रता दिवस को लेकर पुलिस अलर्ट

खबर संक्षेप

मदवि ने कई परीक्षाओं के परिणाम किए घोषित

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय ने मई 2025 में आयोजित बी.वोकेशनल-इंटीरियर डिजाइन के दूसरे सेमेस्टर की रेगुलर, साफ्टवेयर डेवलपमेंट व मार्केटिंग मैनेजमेंट एंड इंफोर्मेशन टेक्नोलोजी के दूसरे, चौथे, पांचवें व छठे सेमेस्टर की रेगुलर व री-अपीयर, इंफोर्मेशन टेक्नोलोजी तथा स्पोर्ट्स न्यूट्रिशन के दूसरे, चौथे व छठे सेमेस्टर की रेगुलर व री-अपीयर, कैटरिंग टेक्नोलोजी एंड होटल मैनेजमेंट के चौथे व छठे सेमेस्टर की रेगुलर व री-अपीयर तथा रिटेल मैनेजमेंट के पांचवें व छठे सेमेस्टर की रेगुलर व री-अपीयर की परीक्षाओं का परिणाम जारी कर दिया है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. राहुल ऋषि ने बताया कि परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगा।

रिक्त सीटों पर ऑनलाइन आवेदन 10 अगस्त तक

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में सत्र 2025-26 में एमएससी माइक्रोबायोलॉजी तथा एमएससी माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजी (एनईपी 2020 के तहत) पाठयक्रमों की रिक्त सीटों पर एडमिशन के लिए फ्रेश ऑनलाइन आवेदन 10 अगस्त तक किए जा सकते हैं। माइक्रोबायोलॉजी विभाग की अध्यक्षा डा. पूजा सुनेजा ने बताया कि ओपन काउंसलिंग 12 अगस्त को आयोजित की जाएगी और एडमिशन एकेडमिक मेरिट के आधार पर दिया जाएगा। एडमिशन मिलने की सूरत में फीस 13 अगस्त तक जमा करानी होगी। पाठ्यक्रमों बारे विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय वेबसाइट पर उपलब्ध प्रॉस्पेक्ट्स से प्राप्त की जा सकती है।

युवक अवैध हथियार सहित गिरफ्तार, केस

रोहतक। पुलिस ने युवक को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करके कार्रवाई की गई है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया है। सीआईए-2 प्रभारी सतीश कुमार ने बताया कि कारौर निवासी युवक अवैध हथियार सहित नजदीक बोहर स्टेडियम के पास खड़ा है। सूचना के आधार पर तुंरत कार्यवाही करते हुए युवक को शक के आधार पर काबू किया गया। युवक की पहचान ललित उर्फ काला निवासी गांव कारौर के रुप में हुई। युवक के पास से एक देसी पिस्तौल बरामद हुआ है। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करके गिरफ्तार कर लिया है।

40 हजार की ठगी का आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस ने 40 हजार रुपये की ठगी की वारदात में आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी को कोर्ट में पेश करके दो दिन के रिमांड पर लिया गया है। सिविल लाइन थाना प्रभारी अंकिता ने बताया कि प्रेम नगर निवासी रितेश की शिकायत के आधार पर केस दर्ज करके जांच शुरु की गई। जांच में सामने आया कि 27 फरवरी को रितेश के पास व्हाटसअप पर एक संदेश आया कि टेलीग्राम पर एक टास्क पूरा करने पर 41 रुपये मिलेंगे। रितेश को रुपये का लालच देकर रितेश से कुल 40 हजार 333 रुपये ट्रांसफर करवा लिये। जांच के दौरान 6 जुलाई को आरोपी तुलसीराम निवासी राजस्थान को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी खाताधारक है। आरोपी ने अपना खाता कमीशन पर दिया हुआ था।

ग्राहक बनकर पहुंचे बदमाश, घर में घुसकर पिस्तौल व चाकू तानकर व्यापारी व पत्नी को बंधक बनाया, डेढ़ लाख की नकदी व 12 तोले गहने लेकर फरार

■ जाली खरीदने पहुंचे थे युवक ■ दुकान के साथ ही व्यापारी का घर ■ झज्जर रोड पर दिनदहाड़े वारदात से हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

शहर के झज्जर रोड पर बृहस्पतिवार दोपहर को उस समय सनसनी फैल गई जब तीन हथियारबंद बदमाशों ने एक व्यापारी और उसकी पत्नी को पिस्तौल व चाकू दिखाकर कैश व जेवरात लूट लिए। बदमाशों ने दोनों को कमरे में बंद कर लगभग 1.50 लाख रुपये नकद और करीब 12 तोले सोने के आभूषण लूट लिए और मौके से फरार हो गए। इस वारदात से इलाके में दहशत का माहौल है। इसकी सूचना पीड़ित ने पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी। इस दौरान पुलिस ने आस-पास लगे सीसीटीवी खंगाल रही है। वहीं, पीड़ित ने सीसीटीवी फुटेज देखकर आरोपियों की पहचान कर ली है। पुलिस आरोपियों की तालाश कर रही है।

■ वारदात से दहशत, पुलिस ने बाजार में लगे सीसीटीवी खंगाले

पीड़ित अशोक जैन जो झज्जर रोड पर लोहे की जाली की दुकान चलाते हैं और वहीं घर भी है। उन्होंने बताया कि घटना बृहस्पतिवार दोपहर करीब 4 बजे की है। उन्होंने कहा, तीन युवक दुकान पर आए और बोले कि उन्हें घर में जाली लगवानी है। मैंने दुकान के एक लड़के को बोला कि इन्हें जाली दिखा दो।

जब वे जाली देख चुके, तो उन्होंने कहा कि मालिक को बुलाओ। इसके बाद मेरी पत्नी को भी बुला लिया गया। तीनों युवक सामान्य ग्राहक की तरह व्यवहार कर रहे थे, इसलिए शक नहीं हुआ। लेकिन जैसे ही वे घर के अंदर गए और बैठाया गया, उनमें से एक ने पिस्तौल और दूसरे ने चाकू निकाल लिया। बदमाशों ने सभी को धमकाया कि अगर कोई भी चिल्लाया या विरोध किया तो जान से मार देंगे। आरोपियों ने अशोक जैन, उनकी पत्नी और दुकान के लड़के को एक कमरे में बैठाकर डराया धमकाया और वहां रखी नकदी व सोने के गहनों को अपने कब्जे में ले लिया। कुछ ही मिनटों में लूट की यह वारदात अंजाम देकर तीनों युवक फरार हो गए।

रोहतक। वारदात की जानकारी देते अशोक जैन।

रोहतक। व्यापारी के आवास पर जांच करने पहुंची पुलिस टीम।

रोहतक। वारदात के बाद बिखरा सामान व जांच करता पुलिस कर्मचारी।

आरोपियों की पहचान शुरू

घटना की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस थाना को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर छानबीन शुरू कर दी। पुलिस आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके और उनकी भागदौड़ को ट्रैक किया जा सके।

रेकी कर वारदात

पुलिस का कहना है कि बदमाश पहले से रेकी करके आए थे और उन्होंने जानबूझकर ग्राहक बनकर विश्वास जीतने का नाटक किया। अपराधियों की संख्या तीन थी और सभी युवा दिख रहे थे। फिलहाल पुलिस पीड़ित परिवार से पूछताछ गवाहों के बयान और तकनीकी साक्ष्यों के आधार जांच कर रही है।

व्यापारियों में दहशत

इस दिनदहाड़े हुई वारदात के बाद व्यापारिक संगठनों में रोष है। स्थानीय व्यापारियों ने पुलिस से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। उनका कहना है कि इस तरह की घटनाएं ना केवल व्यापारियों को डराती हैं, बल्कि आमजन की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े करती हैं।

12वीं पास युवक पीजीआई में डॉक्टर बनकर कर रहा था मरीजों का इलाज

■ आरोपी अपने दोस्त कृष्ण गहलावत की जगह इंटर्नशिप कर रहा था ■ घटना से संस्थान पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

राज्य के सबसे बड़े सरकारी चिकित्सा संस्थानों में से एक रोहतक स्थित पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में एक गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। यहां बिना किसी चिकित्सकीय योग्यता के एक युवक ने खुद को डॉक्टर बताकर न केवल मरीजों को देखा, बल्कि महीनों तक इंटर्न डॉक्टर की भूमिका भी निभाता रहा। इस घटना ने स्वास्थ्य प्रणाली की सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक सतर्कता पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

■ आरोपी युवक की पहचान सोनीपत के गांव निजामपुर माजरा निवासी साहद के रूप में हुई

सूत्रों के अनुसार आरोपी युवक की पहचान सोनीपत जिले के निजामपुर माजरा गांव निवासी साहद के रूप में हुई है। हैरानी की बात यह है कि साहद केवल-12वीं पास है और उसने पेशेंट केयर असिस्टेंट का एक अल्पकालिक डिप्लोमा किया हुआ है। बावजूद इसके, वह पीजीआई के ऑर्थोपेडिक विभाग में इंटर्न के रूप में कार्यरत रहा और मरीजों का इलाज करता रहा। अब तक की जांच में सामने आया है कि साहद, अपने दोस्त कृष्ण गहलावत की जगह इंटर्नशिप कर रहा था। कृष्ण, जो कंसाला गांव का निवासी है, हाल ही में यूनाइटेड किंगडम से एमबीबीएस कर लौटा था और जून 2025 में रोहतक पीजीआई में इंटर्नशिप के लिए शामिल हुआ था। लेकिन कुछ ही समय बाद वह अस्पताल आना बंद कर गया और उसकी जगह साहद ने आना शुरू कर दिया।

रोहतक। आरोपी को पकड़ते पीजीआई के सुरक्षा कर्मचारी।

रोहतक। डॉक्टर की ड्रेस में फर्जी डॉक्टर।

सुरक्षाकर्मियों को ऐसे हुआ शक

प्रशासन को शक तब हुआ जब गुरुवार को अस्पताल के कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों ने देखा कि ड्यूटी रोस्टर में कृष्ण का नाम दर्ज है, जबकि ड्यूटी पर मौजूद व्यक्ति खुद को साहद बता रहा था। जब उससे पहचान पत्र मांगा गया, तो वह कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका। स्थिति संदिग्ध लगने पर उसे तुरंत पकड़ा गया और उच्च अधिकारियों के समक्ष पेश किया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि साहद पिछले कई हफ्तों से मरीजों की जांच कर रहा था। वह डॉक्टर की तरह व्यवहार करता था, मेडिकल स्टाफ से बातचीत करता था और मरीजों के केस को समझने की कोशिश करता था। यह जानकर हर कोई हैरान है कि इतनी बड़ी संस्था में कोई 12वीं पास युवक इतनी आसानी से डॉक्टर बनकर कैसे काम करता रहा और किसी को संदेह तक नहीं हुआ।यह मामला सिर्फ दो युवकों की धोखाधड़ी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पीजीआई जैसे संस्थानों में अंदरूनी मॉनिटरिंग सिस्टम की कमजोरी को भी उजागर करता है। एक ऐसा संस्थान जहां हर दिन हजारों मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं, वहां बिना सत्यापन के किसी बाहरी युवक का डॉक्टर की भूमिका निभाना चिंता का विषय है।

बोला- दोस्त के कहने पर देख रहा था मरीज, पुलिस ने सह आरोपी बनाया

मामले की सूचना मिलने के बाद तुरंत मौके पर पहुंचकर युवक को हिरासत में ले लिया गया। प्रारंभिक पूछताछ में युवक ने कबूल किया कि वह अपने दोस्त कृष्ण के कहने पर अस्पताल आकर मरीजों को देख रहा था। पुलिस ने कृष्ण गहलावत को भी सह-आरोपी बनाया है और उसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

रोशन लाल, थाना प्रभारी, पीजीआई

वर्ल्ड जंप रोप चैंपियनशिप में छाया रोहतक का पीयूष

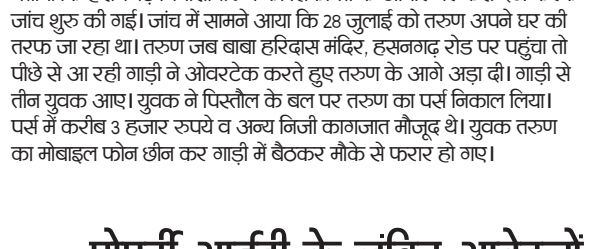

रोहतक। कवाशाखी जापान में 25 जुलाई से 5 अगस्त 2025 तक आयोजित वर्ल्ड जंप रोप चैंपियनशिप में हरियाणा के होनहार खिलाड़ी पियूष ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए 5वीं रैंक हासिल कर प्रदेश और देश का नाम गौरवान्वित किया है। यह जानकारी हरियाणा जंप रोप संघ के महासचिव बीर सिंह आर्य ने दी।

पियूष ने जंप रोप फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से हिस्सा लिया और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा, मेहनत और लगन का शानदार प्रदर्शन करते हुए टॉप 5 में स्थान बनाया। इससे पहले भी वह एक बार इंटरनेशनल और एक बार वर्ल्ड चैंपियनशिप में भाग ले चुके हैं, लेकिन इस बार उन्होंने नया इतिहास रचते हुए राज्य की खेल प्रतिभा को वैश्विक पहचान दिलाई। उनके पिता ने बताया कि पियूष का सपना ओलंपिक स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करना है और वह इसके लिए लगातार कठिन मेहनत कर रहा है। रोहतक लौटने पर पियूष का जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर हरियाणा जंप रोप संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. दीपक भारद्वाज एडवोकेट, वरिष्ठ समाजसेवी देवेंद्र सैनी, वरिष्ठ नेता राकेश सैनी, श्रीमद् जगद्गुरु शंकराचार्य ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. गोपाल कृष्ण, रोहतक जंप रोप संघ के अध्यक्ष आजाद बुधवार और वीर सिंह आर्य व अन्य मौजूद रहे।

लूटपाट का आरोपी गिरफ्तार, एक दिन के रिमांड पर

रोहतक। पुलिस ने स्नैचिंग की वारदात में तीसरे आरोपी को रवि को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट के आदेश पर आरोपी को एक दिन के रिमांड पर लिया गया है। सांपला थाना प्रभारी बिजेंद्र सिंह ने बताया कि हसनगढ़ निवासी तरुण की शिकायत के आधार पर केस दर्ज करके जांच शुरु की गई। जांच में सामने आया कि 28 जुलाई को तरुण अपने घर की तरफ जा रहा था। तरुण जब बाबा हरिदास मंदिर, हसनगढ़ रोड पर पहुंचा तो पीछे से आ रही गाड़ी ने ओवरटेक करते हुए तरुण के आगे अड़ा दी। गाड़ी से तीन युवक आए। युवक ने पिस्तौल के बल पर तरुण का पर्स निकाल लिया। पर्स में करीब 3 हजार रुपये व अन्य निजी कागजात मौजूद थे। युवक तरुण का मोबाइल फोन छीन कर गाड़ी में बैठकर मौके से फरार हो गए।

जून से अब तक हो चुकी 387.8 एमएम बारिश, धान पर संकट, 10 से फिर बरसात की संभावना से सहमे किसान

■ जिले में जलभराव के कारण 10 से 12 हजार एकड़ फसल हो चुकी बर्बाद

अमरजीत एस गिल ⏭ रोहतक

गत 4 अगस्त से जिले में कहीं भी बरसात नहीं हुई है। जिससे किसानों को काफी राहत है। जब से बरसात रुकी तब से लगातार पछुवा हवा भी चल रही है। मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहेगा, ऐसी उम्मीद फिलहाल है नहीं। आईएमडी चंडीगढ़ द्वारा जारी किए गए पूर्वानुमान में 10 अगस्त की रात से फिर से राज्य के मौसम में बदलाव आएगा। अगर फिर से बरसात का दौर शुरू होता है तो पछेती धान में काफी नुकसान होगा। ध्यान रहे कि महम एरिया में तो फिलहाल तक कई गांवों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। महम के अलावा जिले के दूसरे एरिया में भी स्थिति ठीक नहीं बताई जा रही है। किसान सभा का दावा है कि जिले में 10-12 हजार एकड़ में धान रोपाई के तुरंत बाद ज्यादा बारिश की वजह से खराब हो चुका है। बावजूद इसके सरकार ने मुआवजा देने की घोषणा नहीं की। किसान मुआवजा पोर्टल खुलवाने की मांग को लेकर 11 अगस्त को डीसी से मिलेंगे।

रविवार तक चलेंगी पश्चिमी हवाएं

बीते सोमवार से रोहतक व इसके आसपास के एरिया में पछुवा हवाएं चल रही हैं। जोकि फसलों के लिए लाभदायक साबित हो रही है। क्योंकि इससे पानी का स्तर कुछ कम होगा और धान की बढ़वार प्रारंभ होगी। चूंकि धान की पछेती रोपाई में बढ़वार अभी ठीक से शुरू नहीं हुई है। वीरवार को हवाओं की गति 15-20 किलोमीटर प्रति घंटे की रही। इससे पहले भी तीन दिन से हवाओं की रफ्तार लगभग इतनी ही थी। बताया जा रहा है कि रविवार शाम तक पछुवा हवा चलेगी। रविवार को दिन में गति काफी कम होगी और फिर रात्रि से ही मौसम में बदलाव आ आ जाएगा।

रोहतक। महम के सैमाण के खेतों में भरा पानी।

ये बोले किसान नेता

किसान सभा के प्रदेश महा सचिव सुमित दलाल बताते हैं कि जिले के महम सब डिविजन में सबसे ज्यादा बरसात हुई है। भारी बारिश की वजह से सैमाण समेत दूसरे गांवों में तकरीबन 10-12 हजार एकड़ में धान का एक पौधा भी शेष नहीं बचा। हम प्रशासन से लगातार अनुरोध कर रहे हैं कि फसलों का नुकसान दर्ज करने के लिए पोर्टल खोला जाए।

भारी नुकसान : मानसून सीजन में अभी तक जिले में 387.8 मिलीमीटर बरसात हो चुकी है। जोकि सामान्य से 49 प्रतिशत अधिक है। अगस्त के दूसरे सप्ताह तक 262 एमएम ही बारिश होनी चाहिए थी। लेकिन अबकि बार ऐसा नहीं हुआ। जून से लेकर अभी तक रुक-रुककर बारिश हो रही है। जिससे फसलों में काफी नुकसान हुआ है। क्योंकि जिले का जमीनी पानी का स्तर काफी अधिक है।

प्रोपर्टी आईडी के लंबित आवेदनों का जल्द निपटान करें : आयुक्त

रोहतक। नगर निगम आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने वीरवार को सम्पत्तिकर शाखा के कार्यो की समीक्षा की। जिस दौरान लंबित आवेदनो को जल्द से जल्द नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। इस कार्य की निरंतर निगरानी के साथ-साथ आवेदनो की जांच भी की जाती है। लंबित आवेदनो पर निरंतर कार्यवाही करते हुए निपटान करवाया जा रहा है तथा लापरवाही करने वालो कर्मचारियो पर कार्यवाही की जा रही है।

नगर निगम आयुक्त ने दिए निर्देश

उन्होंने बताया कि सम्पत्तिकर प्रोपर्टी आईडी का कार्य कर रहे अधिकारियो व कर्मचारियो को निर्देश दिए जा गए थे कि आमजन से प्राप्त आवेदनो को लंबित न रखा जाए व बिना किसी ठोस कारण के आवेदन वापिस रिवट न किए जाए। सम्पत्तिकर बकायादारो के विरूद्ध नगर निगम द्वारा कार्रवाई निरंतर की जा रही है, पूर्व में नोटिस दिए गए थे कि वे अपना बकाया सम्पत्तिकर जमा करवाए अन्यथा नगर निगम की टीम द्वारा उनकी सम्पत्तियो पर सीलिंग की कार्यवाही की जाएगी। वीरवार निगम की टीम हिसार रोड़, लाडौत रोड़ व शीला बाईपास पर आदि स्थानो पर तीन बड़े बकायादारो की सम्पत्तियो पर सीलिंग की कार्यवाही की गई, जिनका लगभग 75 लाख रूपये से अधिक सम्पत्तिकर बकाया था। नगर निगम की टीम को निर्देश है कि वे संपत्ति कर जल्द जमा करवाएं।

बच्चो, बारिश के दौरान जब तुम घर से बाहर निकलते हो तो भीगने से बचने के लिए छाते का इस्तेमाल जरूर करते होगे। क्या तुम जानते हो कि दुनिया के कई देशों में 'अंब्रेला म्यूजियम' यानी छाता संग्रहालय भी हैं? जानो, कुछ अंब्रेला म्यूजियम्स के बारे में।

अलग-अनोखे हैं ये अंब्रेला म्यूजियम

रोचक
शिखर चंद जैन

बच्चो, बारिश का मौसम आते ही सबसे पहले याद आता है छाता। भीगने से बचाने का सबसे आसान जरिया छाता ही है। दुनिया भर में इसका इस्तेमाल सदियों से हो रहा है। सैकड़ों तरह के छाते देश-विदेश में प्रचलित हैं। तुम्हें जानकर अचरज होगा कि कुछ देशों में अनोखे छाता संग्रहालय भी मौजूद हैं। यहां तुम छातों के क्रमिक विकास और उनके विभिन्न प्रकारों के बारे में जान सकते हो।

अंब्रेला एंड पारासोल म्यूजियम, इटली

इटली के पीडमोंट में मौजूद इस अनूठे छाता और छत्र (पारासोल) संग्रहालय की स्थापना 1939 में इगिनो एंब्रोसिनी (1883-1955) ने की थी। हालांकि वह खुद कृषि विज्ञानी थे, लेकिन छाता बनाना उनका पुश्तैनी कारोबार था। इसलिए छाते के प्रति उनको लगाव था। 1976 से इस संग्रहालय को वर्बानो-कुसियो-ओसोला प्रांत के गिग्नेस में स्थित दो-मंजिला इमारत में शिफ्ट कर दिया गया।

इस संग्रहालय में विभिन्न खंडों में छाते, छत्र और इनके निर्माण से जुड़ी सामग्रियों सहित 1,000 से अधिक वस्तुएं प्रदर्शित की गई हैं। इनके माध्यम से दर्शक यहां 1800 के दशक के आरंभ से लेकर आज तक छतरियों के क्रमिक विकास को देख और समझ सकते हैं।

इस म्यूजियम में तरह-तरह के फीते, रेशम, सूती और सिंथेटिक फैब्रिक, लकड़ी, हड्डी और धातु के फ्रेम के साथ, लकड़ी में नक्काशीदार सुंदर हैंडल, हाथी दांत, मोती और चांदी जैसी बहुमूल्य सामग्रियों से बनी छतरियां भी दर्शकों को खूब लुभाती हैं। संग्रहालय की पहली मंजिल छाता बनाने वाले कारीगरों के पेशे को समर्पित है। यहां तुम दो विशाल छाते भी देख सकते हो, जिन पर चित्रकार फेलिस वेलन ने छाता बनाने वालों के जीवन का संक्षिप्त चित्रण किया है। संग्रहालय में ऐतिहासिक वस्तुओं के लिए भी एक खंड समर्पित किया गया है, इसमें पूर्व रानी मार्गरिटा की छतरी प्रदर्शित की गई है।

अंब्रेला कवर म्यूजियम, यूएसए

अंब्रेला कवर संग्रहालय, यू एस ए

यह संग्रहालय अमेरिका के पीक्स आईलैंड में स्थित है। इस मशहूर संग्रहालय का निर्माण नैंसी हॉफमैन ने वर्ष 1996 में करवाया। इस संग्रहालय को बनाने का विचार हॉफमैन के मन में तब आया जब वे एक अलमारी साफ कर रहे थे और उन्हें पुराने सात छाते मिले। संग्रहालय की शुरुआत हॉफमैन ने अपने घर की रसोई से की। जैसे-जैसे उनका संग्रह बढ़ता गया, इसे एक बड़े स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया। उन्होंने यहां 66 देशों से बड़ी संख्या में छाते और छत्र संग्रह किए। इस संग्रहालय में 'लेट अ स्माइल बी योर अंब्रेला' गाते हुए अकॉर्डियन बजाते हुए हॉफमैन को अकसर ही देखा जा सकता है।

अंब्रेला कवर म्यूजियम का मिशन कहता है कि यह संग्रहालय रोजमर्रा की जिंदगी में दैनिक उपयोग की चीजों की सराहना के लिए समर्पित है। इस संग्रहालय में ढाई इंच की बार्बी डॉल की नन्ही सी छतरी से लेकर छह फुट लंबा छाता भी मौजूद है। 7 जुलाई 2012 को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने हॉफमैन के 730 छातों के संग्रह को दुनिया का सबसे बड़ा अंब्रेला म्यूजियम माना।

चीन छाता संग्रहालय, चीन

चीन का हांगझोऊ आर्द्र जलवायु वाला शहर है। यहां काफी बारिश होती है। हांगझोऊ को चीनी छाते का जन्मस्थान भी माना जाता है। यहां के इस छाता संग्रहालय में तुम्हें छाते से जुड़े कई

सवालों के जवाब मिल सकते हैं। चीन के पहले छाता संग्रहालय के रूप में यह छाता संस्कृति, छाता इतिहास, छाता कथा और छाता निर्माण प्रक्रिया को व्यापक रूप से प्रदर्शित करता है। इस संग्रहालय को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि इसके भीतर तुम्हें बारिश में खड़े होने का अहसास होगा। संग्रहालय के अंदर, मल्टीमीडिया उपकरणों द्वारा निर्मित आभासी बारिश का दृश्य और पानी का धुआं सा यानी कोहरा सा दिखाई देता है। संग्रहालय की दीवारों को टाइल ग्रे रंग से रंगा गया है। संग्रहालय के छह ब्लॉक्स में छतरियों की उत्पत्ति, विभिन्न श्रेणियां, कला -संस्कृति और आधुनिक छातों को प्रदर्शित किया गया है। इसके अलावा संग्रहालय के अंदर एक इंटरैक्टिव जोन भी है। जहां पर्यटक छतरियों के पुर्जे जोड़ने, छतरी रंगने और छतरियों की मरम्मत करने जैसी एक्टिविटीज में हिस्सा ले सकते हैं। *

देश में बन रहा रेन म्यूजियम

बच्चो, अपने देश में कोई छाता संग्रहालय तो नहीं है। लेकिन दुनिया के पहले रेन म्यूजियम का निर्माण किया जा रहा है। बच्चो, दुनिया में सबसे अधिक वर्षा वाले स्थान मेघालय के मॉसिनराम में दुनिया का पहला वर्षा संग्रहालय बनाया जा रहा है। तुम्हें बताते चलें कि मॉसिनराम, धरती का सबसे ज्यादा बारिश वाला स्थान है, जहां हर साल 11,000 मिमी से ज्यादा बारिश होती है। 35 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले इस वर्षा संग्रहालय के अंदर पर्यटकों को वर्षा और इसके इतिहास के बारे में जानने का मौका

मिलेगा। इमेजिन करो, तुम एक ऐसे कमरे में प्रवेश कर रहे हो, जहां बारिश हो रही है। इस एक्सपीरियंस के लिए यहां एक इनडोर रेन जोन भी बनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य वर्षा के दौरान रेन म्यूजियम के भीतर भी इस पहाड़ी गांव से गुजरने के अनुभव को जीवंत बनाना है। भारत का मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और इसरो वास्तविक समय के डेटा का उपयोग करते हुए वर्षा को कैसे मापते हैं? जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में इसका क्या अर्थ है, इस पर यहां इंटरैक्टिव प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी।

बच्चो, रक्षाबंधन का इंतजार हर भाई-बहन को होता है। भाई-बहन के प्यार भरे रिश्ते का महत्व बताने वाले इस त्योहार से जुड़ी अनेक कथाएं, किंवदंतियां और ऐतिहासिक किस्से हैं। इनमें से कुछ के बारे में यहां बता रहे हैं।

कैसे शुरू हुआ रक्षाबंधन

पर्व
शिवानी छाया

बच्चो, भाई-बहन के प्यार और स्नेह को प्रकट करता है रक्षाबंधन का त्योहार। इस दिन बहनें अपने प्यारे भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं, तिलक लगाती हैं और मिठाई खिलाती हैं। भाई भी अपनी प्यारी बहना को गिफ्ट देते हैं। साथ ही हमेशा अपनी बहन का साथ निभाने, उसकी रक्षा करने का वादा भी करते हैं। क्या तुमने कभी सोचा है कि रक्षाबंधन पर्व की शुरुआत कब और कैसे हुई? जानो, इसके बारे में।

रक्षाबंधन से जुड़ी पौराणिक कथाएं: एक पौराणिक कथा के अनुसार राजा बलि, भगवान विष्णु के परम भक्त और महादानी थे। एक बार, राजा बलि ने यज्ञ करके स्वर्ग पर अधिकार करने का प्रयास किया, जिससे भयभीत होकर देवराज इंद्र ने भगवान विष्णु से मदद मांगी। भगवान विष्णु, वामन का रूप धारण कर राजा बलि के द्वार पर पहुंचे और उनसे तीन पग भूमि दान में मांगी। राजा बलि ने इस मांग को स्वीकार कर लिया। वामन रूप धरे भगवान विष्णु ने तो एक पग में पूरी धरती और दूसरे पग में पूरा आकाश नाप दिया। अब क्या? अब वे तीसरा पग कहां रखें? तब राजा बलि ने अपना सिर आगे कर कहा कि आप अपना तीसरा पग मेरे सिर पर रख लीजिए। राजा की यह दानवीरता देख भगवान प्रसन्न हुए और राजा बलि को पाताल लोक का राजा बना दिया और उनसे वरदान मांगने को कहा। राजा बलि ने भगवान विष्णु से वरदान मांगा कि आप मेरे साथ पाताल लोक में ही चलकर रहें। भगवान विष्णु राजा बलि के साथ पाताल लोक में रहने चले गए। इससे माता लक्ष्मी और सभी देवता चिंतित हो गए। माता लक्ष्मी एक गरीब महिला का रूप धारण कर महाराज बलि के पास पहुंची और उन्हें राखी बांधी। जब राजा बलि ने राखी के बदले में कुछ मांगने को कहा, तो माता लक्ष्मी अपने असली रूप में आ गईं और उन्होंने राजा बलि से कहा कि वह भगवान विष्णु को बैकुंठ धाम जाने दें। राखी का मान रखते हुए राजा बलि ने माता लक्ष्मी की बात मान ली। फिर भगवान विष्णु माता लक्ष्मी के साथ अपने धाम को लौट गए। बच्चो, हर साल हिंदू पंचांग के अनुसार श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को रक्षाबंधन त्योहार मनाया जाता है, क्योंकि इसी तिथि को माता लक्ष्मी ने राजा बलि को राखी बांधी थी।

एक दूसरी कथा महाभारत में वर्णित है- जब भगवान श्रीकृष्ण ने शिशुपाल का सुदर्शन चक्र से वध किया, तो इस दौरान उनकी अंगुली घायल हो गई थी और उससे खून बहने लगा था। भगवान कृष्ण की अंगुली से खून बहते देखकर द्रौपदी ने अपनी साड़ी का एक टुकड़ा फाड़कर उनकी अंगुली में बांध दिया। इस चीर (वस्त्र) के बदले में श्रीकृष्ण ने द्रौपदी को हर संकट से बचाने का वचन दिया। आगे चलकर अपने वचन का मान रखते हुए भगवान श्रीकृष्ण ने द्रौपदी के चीरहरण के समय उनकी रक्षा की।

रक्षाबंधन से संबंधित ऐतिहासिक किस्से: कहा जाता है कि सिकंदर ने जब पोरस के राज्य पर आक्रमण किया तो सिकंदर की पत्नी रोक्साना ने राजा पोरस को राखी भेजकर युद्ध में सिकंदर को नुकसान न पहुंचाने का अनुरोध किया था।

एक अन्य प्रसंग चित्तौड़ की महारानी कर्णावती का है, जिन्होंने हुमायूं को राखी भेजकर अपने राज्य को आक्रमणकारियों से बचाने का निवेदन किया था। हुमायूं ने रानी कर्णावती को बहन माना और उनकी मदद की।

ब्रिटिश राज में, 1905 में बंगाल विभाजन के दौरान देशवासियों को एकजुट करने के लिए रवींद्रनाथ टैगोर ने हिंदुओं-मुसलमानों को एक-दूसरे को राखी बांधने का आह्वान किया था। *

कविता / वसीम अहमद नगरामी

रक्षाबंधन के दिन

रक्षाबंधन के दिन तितली
चुपके-चुपके आई।
बोली, भंवरे भैया अपनी
आगे करो कलाई।
लाई हूं सुंदर सी राखी
लो भैया बंधवा लो,
मैंने बनाई खास मिठाई
लो थोड़ी सी खा लो।

भंवरे ने राखी बंधवाई
बड़े मजे से खाई मिठाई।
खुश होकर तब तितली बोली
जुग-जुग जियो मेरे भाई।

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

मीठे-प्यारे गीत

बच्चो, कुछ समय पहले तुम्हारे लिए मीठे-मीठे प्यारे गीतों की एक किताब 'बचपन है फुलवारी' छपकर आई है। इसके लेखक हैं राजा चौरसिया। इस किताब में कुल 32 गीत हैं। इन गीतों को पढ़ने में तुम्हें मजा तो आएगा ही, इनसे बहुत कुछ सीखने को भी मिलेगा। कई गीतों में प्रकृति के संरक्षण और वृक्षों की महत्ता को बताया गया है। *'आओ बढ़ाएं इस धरती पर, वृक्षारोपण से हरियाली।'* कुछ गीतों में हंसने, मुस्कुराने और खुश रहने के लिए प्रेरित किया गया है। जैसे- *'फूलों की कलियों सी भाए, मंद-मंद मुस्कान। तन-मन स्वस्थ, मस्त हैं रहते, हो न कोई नुकसान।'* कुछ बच्चे जरा सी परेशानी आने पर हताश हो जाते हैं। उनको अपना हौसला बढ़ाने के लिए इस किताब के कुछ गीत पढ़ने चाहिए। ऐसे ही एक गीत की पंक्तियां हैं, *'चाहे देर भले लग जाए, रंग परिश्रम लाता है। जिसमें रहती लगन निरंतर, वही सफलता पाता है।'* इनके अलावा कई और भी प्यारे गीत हैं। किताब के अंत में बच्चो, तुम एक मजेदार गीत 'चूहे का उत्तर' भी पढ़ सकते हो। *

किताब: बचपन है फुलवारी, **लेखक:** राजा चौरसिया
मूल्य: 125 रुपए, **प्रकाशक:** पाथेय प्रकाशन, जबलपुर

जीके क्विज-165

1. हाल ही में किस अभिनेत्री को बेस्ट एक्ट्रेस का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला?
2. दिल्ली की वर्तमान मुख्यमंत्री कौन हैं?
3. भारत में पहली एसटीडी फोन सेवा देश के किन दो शहरों के बीच शुरू की गई थी?
4. सात हजार से अधिक प्रायद्वीपों का समूह कहां स्थित है?
5. भारत के प्रथम नोबेल पुरस्कार विजेता कौन थे?
6. ब्रिटिश काल में 'दीनबंधु' के नाम से कौन से महापुरुष प्रसिद्ध हुए थे?
7. गौतम बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश कहां दिया था?
8. भारत के पहले सुपर कंप्यूटर का नाम क्या था?
9. एक्स-रे का आविष्कार किसने किया था?
10. रिक्टर स्केल से क्या मापा जाता है?

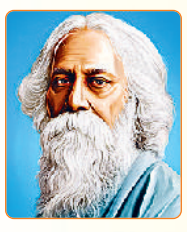

बच्चों, जीके क्विज-165 का उत्तर 'बालभूमि' के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-164 का उत्तर : 1. 29 अगस्त, 2.दिव्या देशमुख, 3.उपराष्ट्रपति, 4.नई दिल्ली, 5.राष्ट्रपति, 6.बृहस्पति, 7.चिल्का झील, 8.राजस्थान, 9.त्वचा (स्किन), 10.विवेक एक्सप्रेस

जीके क्विज-164 का सही उत्तर देने वाले : चंचल-गरियाबंद, सौरभ-बिलासपुर, संजना-रोहतक, आद्या-उमरिया, सौम्या-जांजगीर, स्वप्निल-जांजगीर, उमेश-धमतरी, नैतिक-मानपुर, अश्विनी-राजनांदगांव, कबीर-हिसार

कहानी
हरीश कुमार अमित

राखी का त्योहार आया तो अदिति ने अपने भाई क्षितिज को सरप्राइज देने की सोची। उधर क्षितिज ने भी अपनी बहन को सरप्राइज देने की सोच रखी थी। मजे की बात हुई कि अदिति-क्षितिज के मम्मी-पापा ने भी अपने बच्चों को ऐसा सरप्राइज दिया कि उनका राखी का त्योहार सबके लिए सरप्राइज भरा हो गया।

सरप्राइज वाली राखी

रक्षाबंधन वाले दिन की सुबह अदिति अपने आप ही जाग गई थी, वरना स्कूल जाने वाले दिनों में तो हर रोज मम्मी को उसे जगाना पड़ता था। बिस्तर से उतरकर अदिति ने देखा कि उसका भैया क्षितिज, उससे पहले ही जाग चुका था। वह ब्रश कर रहा था। अदिति और क्षितिज जुड़वां भाई-बहन हैं। क्षितिज को देखते ही अदिति बोली, 'भैया, आज तो राखी वाला दिन आ गया है। अब तो अपना सरप्राइज बता दो।'

'अभी नहीं, बाद में बताऊंगा, और तुमने कब बताया अपना सरप्राइज?' क्षितिज अपनी आंखों की पुतलियां नचाते हुए बोला।

'मैं भी बाद में बताऊंगी।' अदिति यह कहकर हंस दी। 'ठीक है।' क्षितिज ने कहा और फिर नहाने चला गया। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से अदिति और क्षितिज एक-दूसरे से कह रहे थे कि राखी वाले दिन एक सरप्राइज देंगे। थोड़ी देर बाद तैयार होकर अदिति, क्षितिज को राखी बांधने के लिए थाली सजाकर लाई। फिर कुर्सी पर बैठे क्षितिज के सामने डाइनिंग टेबल पर थाली रख दी। तभी मम्मी-पापा भी वहां आ गए।

अदिति जब क्षितिज को राखी बांधने लगी तो उसने बताया कि जो राखी वह बांधने जा रही है, वह उसने अपने हाथों से बनाई है। यह जानकर क्षितिज को आश्चर्य हुआ। वह बोला, 'अपने हाथों से...! अपने आप कैसे बना ली इतनी सुंदर राखी तुमने? यह तो बाजार में मिलने वाली राखी जैसी ही लग रही है।'

'इस राखी को मैंने बड़ी मेहनत से बनाया है। इसे बनाने के तरीके के बारे में टीचर जी से भी पूछा और मम्मी की मदद भी ली।' अदिति ने बताया।

अदिति ने राखी बांध दी तो क्षितिज ने पास ही रखी कपड़े से ढंकी किसी चीज पर से कपड़ा हटाया। एक रंग-बिरंगी गुल्लक अदिति की ओर बढ़ाते हुए वह बड़े स्नेह से बोला, 'यह मेरी तरफ से राखी का उपहार है।'

'अरे वाह, इतनी सुंदर गुल्लक!' गुल्लक को देखते ही अदिति बहुत खुश हो गई। 'इसे खुद बनाया है मैंने।' क्षितिज ने बताया। 'क्या, इसे खुद बनाया है तुमने, भैया?' अदिति ने अचरज से पूछा। 'हां, मैंने खुद बनाई है यह, राखी पर तुम्हें देने के लिए।' क्षितिज ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया।

'लेकिन इसे तुमने बनाया कैसे?' अदिति ने सवाल किया। 'कार्ड बोर्ड, गोंद, सेलो टेप और रंगीन कागजों से बनाई है यह गुल्लक। इसे बनाने के लिए मैंने भी अपने स्कूल के टीचर जी की मदद ली और पापा से भी पूछा।' क्षितिज ने बताया। अदिति गुल्लक को हाथों में लेकर बोली, 'तुम्हारी बनाई गुल्लक मुझे बहुत पसंद आई।'

'तुमने भी तो बहुत सुंदर राखी बनाई है! कितनी प्यारी लग रही है! मैं इसे हमेशा संभालकर रखूंगा।' क्षितिज ने कलाई पर बंधी राखी पर बड़े प्यार से हाथ फेरते हुए कहा। अदिति बोली, 'भैया, तुम्हारी गुल्लक भी बहुत सुंदर बनी है। मैं भी इसे हमेशा संभालकर रखूंगी।'

तभी पापा क्षितिज से बोले, 'लेकिन राखी के त्योहार पर क्या तुम अपनी बहन को खाली गुल्लक ही दे रहे हो?'

'नहीं पापा, इसमें मैंने अपनी पॉकेट मनी से बचाकर रखे कुछ रुपए भी डाल दिए हैं।' क्षितिज बोला। 'कितने रुपए डाले हैं गुल्लक में?' मम्मी ने पूछा।

'मम्मी, यह भी सरप्राइज है।' क्षितिज ने हंसते हुए जवाब दिया।

'अच्छा तो तुम दोनों के सरप्राइज के बाद अब मेरी ओर से भी एक सरप्राइज है।' मम्मी ने मुस्कुराते हुए कहा तो सब उनकी ओर देखने लगे। 'आज मैंने तुम सबकी फेवरेट किशमिश वाली खीर बनाई है और साथ ही गरमा-गरम प्याज की कचौरियां भी।' मम्मी ने हंसते हुए बताया। 'वाह, मुंह में पानी भर आया है मम्मी!' क्षितिज खुशी से चहकते हुए बोला।

'आज तो बहुत मजा आएगा नाश्ते का।' खुशी से उछलते हुए अदिति भी बोली।

तभी पापा बोले, 'एक सरप्राइज मेरी तरफ से भी है..।' 'क्या सरप्राइज, पापा?' अदिति ने पूछा। क्षितिज भी उत्सुकता से पापा की तरफ देखने लगा। 'थोड़ी देर पहले तुम्हारी बुआ जी का फोन आया था। मुझे राखी बांधने के लिए उन्हें दिल्ली आना था, लेकिन आज सुबह उनके पैर में मोच आ गई है। इसलिए यहां आने का अपना प्रोग्राम उन्हें कैंसिल करना पड़ा है। अब हम सभी नाश्ता करके थोड़ी देर बाद आगरा चलेंगे, तुम्हारी बुआ जी के यहां जाने के लिए। कल इतवार की छुट्टी है। आज रात हम तुम्हारी बुआ जी के यहां रुक जाएंगे, कल वापस दिल्ली आने से पहले आगरा में ताजमहल, आगरा का किला, सिकंदरा वगैरह देख लेंगे।'

'अरे वाह पापा, तब तो खूब मजा आएगा!' क्षितिज ने कहा। 'यह तो दो दिन लंबी पिकनिक हो जाएगी।' अदिति भी खुशी से ताली बजाने लगी।

'इस बार की राखी बहुत मजेदार है।' क्षितिज बोला।

'सरप्राइज वाली राखी।' अदिति ने कहा तो बाकी सब हंसने लगे। *

कविता
डॉ. फहीम अहमद

नेह बंधन

बहना करती है भाई का
प्यार भरा अभिनंदन।
रंग-बिरंगे लाई धागे,
बहना यही दुआएं मांगे,
भाई रहे सदा ही आगे।
नेह भरा बंधन है पावन,
प्यारा रक्षाबंधन।
सूरज जैसा दमके भाई,
चंदा जैसा चमके भाई,
नाम कमाए जग में भाई।
यश फैले जग में भाई का,
जैसे महके चंदन।
फूलों भरी सदा हो राहें।
भाई को सब लोग सराहें,
पाएं हर मंजिल जो चाहें।
फूलों सा जीवन हो उनका
है प्रभु से यह वंदन।
जगमग हो भाई का आंगन,
भरा रहे खुशियों से दामन,
बना रहे यह बंधन पावन।
रिश्तों में महसूस करें नित,
नेह भरा स्पंदन।।

रंग भरो-181

रंग भरो-181 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

प्रगति, बिलासपुर

हिताक्षी, महेंद्रगढ़

आशना, जांजगीर

पूर्वी, बिलासपुर

आन्या, बिलासपुर

मानस, राजनांदगांव

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

सार्थक-रायपुर, वेदिका-बालोद, कनिका-रोहतक, लोकेश-जबलपुर, प्रिया-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, राशि-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, डिंपल-करनाल, साकेत-बिलासपुर, कोमल-कोरबा

रंग भरो 182

बच्चो, यहां दिए गए ब्लैक एंड व्हाइट चित्र में पिंकी अपने भाई राजू को राखी बांध रही है। तुम इस प्यारे-से चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम **बालभूमि** में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

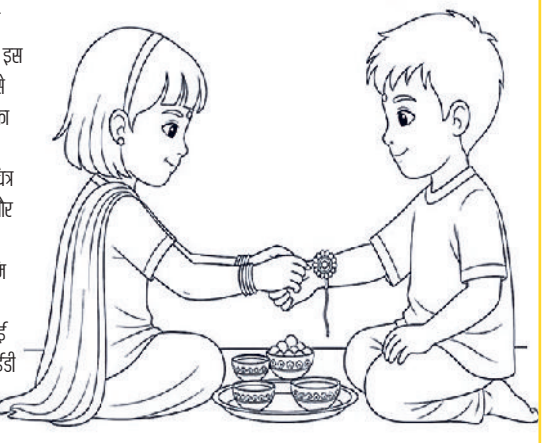

खबर संक्षेप

महम में डेंगू-मलेरिया पर नकेल कसने की कवायद

महम। महम के उपमंडल नागरिक अस्पताल के स्वास्थ्यकर्मियों ने क्षेत्र में बरसात के मौसम में फैलने वाले डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों के बढ़ते खतरे को देखते हुए कमर कस ली है। वीरवार को महम कस्बे के वार्ड 11 में नागरिक अस्पताल के हेल्थ इंसपेक्टर सुनील अहलावत की अगुवाई में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने घर-घर जाकर निरीक्षण किया। इस दौरान कई घरों में मच्छरों का लार्वा पाया गया। जिसके बाद संबंधित मकान मालिकों को नोटिस जारी किए गए। हेल्थ इंस्पेक्टर सुनील कुमार ने लोगों को इन बीमारियों से बचाव के तरीके भी समझाए।

पालिका ने पकड़े शहर में घूमते बेसहारा पशु

महम। महम नगर पालिका क्षेत्र में 1 अगस्त से बेसहारा पशुओं को पकड़ने का अभियान शुरू किया गया है। नगर पालिका सचिव नवीन नांदल ने बताया कि नगर पालिका महम द्वारा 46 आवारा पशुओं को पकड़कर टैग कर नंदीशाला व गौशाला में छोड़ा गया है। नपा सचिव ने कहा है कि पशु मालिक अपने पशुओं को बाहर खुले में न छोड़ें। यदि कोई व्यक्ति या डेयरीधारक ऐसा करते हुए पाया जाता है तो उस व्यक्ति या डेयरीधारक को पहली बार पकड़ने पर 5000 हजार रुपए तथा दूसरी बार पकड़ने पर 11000 और तीसरी बार पकड़ने पर 21000 हजार रुपए का जुर्माना किया जाएगा।

कलानौर ब्लॉक की एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं राजीव गांधी स्टेडियम में होंगी

खंड स्तरीय खेल: 30 से अधिक खेलों में खिलाड़ी कर रहे प्रतिभा का प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित खंड स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं जिले के सभी ब्लॉकों में पूरे जोश और उत्साह के साथ जारी हैं। इन प्रतियोगिताओं में 30 से अधिक खेलों का आयोजन किया जा रहा है, जिनमें खिलाड़ियों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। बृहस्पतिवार को लड़कों की विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें मुख्य रूप से आर्चरी, ताइक्वांडो, बास्केटबॉल, क्रिकेट, स्केटिंग, कराटे, एथलेटिक्स, और कुश्ती जैसे खेल शामिल रहे। खिलाड़ियों की सक्रिय भागीदारी और मैदानों में दिखा उत्साह सराहनीय रहा। प्रतियोगिताओं का संचालन संबंधित खंड शिक्षा अधिकारियों और खेल शिक्षकों की देखरेख में सफलतापूर्वक किया गया।

आज होंगी लड़कों की प्रतियोगिताएं

कलानौर ब्लॉक के खेल मैदानों में जलभराव के कारण वहां एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं नहीं हो सकीं। ऐसे में निर्णय लिया गया है कि कलानौर ब्लॉक की एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं (लड़कों एवं लड़कियों दोनों वर्गों की) अब 8 अगस्त को राजीव गांधी खेल परिसर में आयोजित की जाएंगी। इन प्रतियोगिताओं में चयनित खिलाड़ी आगामी जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में कलानौर ब्लॉक का प्रतिनिधित्व करेंगे। खंड शिक्षा अधिकारी जयभगवान के निर्देशन में संपन्न हो रही हैं, जिनका उद्देश्य छात्रों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है।

रोहतक। नवयुग शिक्षा निकेतन स्कूल में आयोजित खंड स्तरीय आर्चरी प्रतियोगिता में निशाना लगाते हुए आर्चरी खिलाड़ी। *फोटो : हरिभूमि*

रोहतक। निशानेबाजी में जूनियर वर्ल्ड कप विजेता खिलाड़ी कनक बुधवार के साथ बीइओ जयभगवान, बीआरसी सुंदरलाल व अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

स्केटिंग के विजेता

आयु वर्ग अंडर-14 (क्वॉड 500 मीटर इवेंट)
तनमय, प्रथम
चैतन्य, द्वितीय
सार्थक, तृतीय

कराटे का परिणाम

आयु वर्ग अंडर-17 वर्ष में 45 किलोग्राम भार वर्ग में अतुल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 50 किलोग्राम भार वर्ग में अनिकेत चौधरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 65 किलोग्राम भार वर्ग में ईशांत शर्मा प्रथम स्थान पर रहे। वहीं, 70 किलोग्राम भार वर्ग में शुभम ने प्रथम स्थान हासिल किया।

ये रहे मौजूद

प्रतियोगिता के सफल आयोजन में नवयुग शिक्षा निकेतन स्कूल की प्राचार्या शकुंतला अहलावत, पीजीटी फिजिकल एजुकेशन शिक्षक डॉ. जनक राज, रेखा अहलावत, राजू पीटीआई, जयदीप लाठर, सभी टीमों के इंचार्ज और प्रतिभागी खिलाड़ी विशेष रूप से मौजूद रहे।

ये रहे विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के परिणाम

आयु वर्ग अंडर-14 (इनलाइन 500 मीटर इवेंट):
अभय, प्रथम
गीतांश, द्वितीय
दीप, तृतीय
आयु वर्ग अंडर-17 (क्वॉड 500 मीटर इवेंट):
कृतिन, प्रथम
कार्तिक, द्वितीय
कुश मलिक, तृतीय
आयु वर्ग अंडर-17 (इनलाइन 500 मीटर इवेंट):
यश, प्रथम
दीपक नरवाल, द्वितीय
मानस तिवारी, तृतीय
आयु वर्ग अंडर-19 (क्वॉड 500 मीटर इवेंट):
रविंद्र, प्रथम
जतिन, द्वितीय
यशवर्धन, तृतीय
आयु वर्ग अंडर-19 (इनलाइन 500 मीटर इवेंट):
आशीष, प्रथम

आर्चरी प्रतियोगिता लड़कियों के परिणाम
आयु वर्ग अंडर-14 (इंडियन राउंड)
छवि, जिया, विधिका, प्रथम
आयु वर्ग अंडर-14 (रिकॉर्व राउंड):
यशवी, प्रथम
दीक्षा, द्वितीय
आयु वर्ग अंडर-17 (इंडियन)
लावण्या, प्रथम
धानी, द्वितीय
आयु वर्ग अंडर-17 (कंपाउंड इवेंट)
वारुणी, प्रथम
सौम्या, द्वितीय
पारिशा, तृतीय
आयु वर्ग अंडर-17 (रिकॉर्व राउंड)
मन्नत, प्रथम
भूमि, द्वितीय
दीपांशी, तृतीय
लड़कों के परिणाम:
आयु वर्ग अंडर-14 (इंडियन राउंड)
वैभव, प्रथम
कल्पित, द्वितीय
परिन, तृतीय
अयान हुड्डा, चौथा
आयु वर्ग अंडर-14 (रिकॉर्व राउंड)
यश, प्रथम
अभिनव, द्वितीय
आयु वर्ग अंडर-17 (रिकॉर्व राउंड)
तुषार, इशांत, हरमन, शौर्य
आयु वर्ग अंडर-17 (कंपाउंड राउंड)
मनवीर, प्रथम
आर्यन, द्वितीय
आयु वर्ग अंडर-17 (रिकॉर्व राउंड)
आदित्य मलिक, प्रथम
अरमान, द्वितीय
आयु वर्ग अंडर-19 (इंडियन राउंड)
गर्वित, प्रथम
प्रत्यक्ष, द्वितीय
प्रतीक, तृतीय
ध्यांश, चौथा
आयु वर्ग अंडर-19 (रिकॉर्व राउंड)
वंश डकार, प्रथम
निश्चय नांदल, द्वितीय

आयु वर्ग अंडर-19 वर्ष में 40 किलोग्राम भार वर्ग में राहुल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, 55 किलोग्राम भार वर्ग में दीपांशु ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, 68 किलोग्राम भार वर्ग में अर्चित ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के दौरान डिप्टी डीईओ मुन्नी जून एवं डिप्टी राजबाला मलिक ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

खबर संक्षेप

पॉजिट्रॉन अस्पताल में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया

रोहतक। पॉजिट्रॉन सुपर स्पेशलिटी एवं कैंसर अस्पताल में विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नवजात शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए स्तनपान के महत्व को उजागर करना और माताओं को सही जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम में वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. दिनेश खोसला ने स्तनपान से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। उन्होंने बताया कि शिशु के जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान शुरू कर देना चाहिए। पहले छह माह तक बच्चे को केवल मां का दूध ही देना चाहिए, और इसके बाद दो वर्ष की आयु तक स्तनपान के साथ-साथ अन्य पोषणयुक्त आहार भी देना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि स्तनपान से न केवल शिशु का शारीरिक और मानसिक विकास बेहतर होता है, बल्कि मां का स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से माताओं और परिवारों को स्तनपान से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाओं और इससे मिलने वाले लाभों के बारे में जानकारी दी।

आईबी स्कूल में कायनोस हॉस्पिटल ने लगाया हेल्थ कैंप

रोहतक। आईबी स्कूल में कायनोस हॉस्पिटल द्वारा एक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. विक्रम देसवाल ने ट्रामा से बचाव के उपायों एव प्राथमिक उपचार सबंधी आवश्यक जानकारी सांझा की। डॉ. निशा यादव द्वारा छात्रों को आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन रक्षक तकनीक सीपीआर के महत्व एवं उसकी विधि की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैसे उचित समय पर सीपीआर देकर किसी व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। साथ ही डॉ. सुनील कुंडू द्वारा विद्यालय के समस्त शिक्षको एवं स्टाफ सदस्यों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस अवसर पर आईबी स्कूल मैनेजमेंट व स्कूल प्रधानाचार्य डॉ. मनोज कुमार सिंह ने कायनोस हॉस्पिटल की इस पहल के लिए आभार प्रकट करते हुए आशा जताई की इस प्रकार के कार्यक्रम भविष्य में भी छात्रों व स्टाफ के स्वास्थ्य हित में आयोजित होते रहेंगे।

नगर निगम ने जमीन से अवैध कब्जा हटवाया

रोहतक। नगर निगम द्वारा अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गांव सुनारियां में निगम की लगभग 8 एकड़ जमीन को कब्जा मुक्त करवाया गया है। यह भूमि पिछले काफी समय से विवादित थी, जिस पर राजस्व न्यायालय में मामला विचाराधीन था। न्यायालय द्वारा नगर निगम के पक्ष में निर्णय आने के बाद आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा के निर्देशानुसार तुरंत कार्रवाई करते हुए इस भूमि से अवैध कब्जा हटवाया गया। निगम आयुक्त डॉ. आनंद शर्मा ने बताया कि उक्त भूमि पर कब्जा हटाने की कार्रवाई ड्यूटी मजिस्ट्रेट नगर अभियंता सत्यव्रत की निगरानी में संपन्न हुई। इस कार्य में जिला प्रशासन और पुलिस विभाग का भी सहयोग लिया गया ताकि कार्रवाई के दौरान कोई अवांछनीय स्थिति उत्पन्न न हो। निगम ने इस भूमि को कब्जे में लेकर वहां पर चिन्हीकरण कार्य भी शुरू कर दिया है। नगर निगम क्षेत्र की अन्य भूमि पर भी डीमार्केशन का कार्य तेजी से चल रहा है।

छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक से किया लोगों को जागरूक

रोहतक। पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य प्रो. सुनीता सिंह ने बताया कि 1 से 7 अगस्त तक उनके कॉलेज की छात्राओं द्वारा शहर में विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित करके माताओं को स्तनपान के फायदे बताए गए। गुरुवार को भी समापन अवसर पर एक सेमिनार किया गया। जिसमें सभी छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक, शेल पले, हेल्थ टॉक, पोस्टर प्रदर्शनी व भाषण के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। प्रो. सुनीता सिंह ने बताया कि छात्राओं ने कम्युनिटी सेंटर सैनीपुरा रोहतक, एमसीएच वार्ड, गायनी ओपीडी, पीडियाट्रिक ओपीडी में जागरूकता अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि जन्म के एक घंटे के अंदर जितनी जल्दी हो सके बच्चे को मां का दूध पिलाना चाहिए व शुरू के छह महीने तक केवल मां का दूध व बच्चे को 2 वर्ष तक मां अपना दूध पिला सकती है।

राष्ट्रीय जेवलिन दिवस प्रतियोगिता का हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

राष्ट्रीय जेवलिन दिवस पर अंतरराष्ट्रीय जेवलिन थ्रोअर में पदक विजेता एवं फाइव-एस चैरिटेबल स्पोर्ट्स आर्गनाइजेशन के संस्थापक गुलशन शर्मा ने सैनी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में जेवलिन थ्रो स्पर्धा का आयोजन किया। जिसमें विभिन्न आयु वर्ग में लड़कियों व लड़कों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। लड़कियों के ग्रुप में 12-14 आयु वर्ग में भाविका को गोल्ड, पावनी को सिल्वर एवं सेजल को ब्रांज मेडल, 14-16 आयु वर्ग में निकिता को गोल्ड हिमांशी को सिल्वर एवं मुस्कान को ब्रांज मेडल, 16-18 आयु वर्ग में वंशिका को गोल्ड, गरिमा को सिल्वर एवं कोमल को ब्रांज मेडल, 18-20 आयु वर्ग में ललिता को गोल्ड, राधा को सिल्वर एवं रितू को ब्राज मेडल 20-30 आयु वर्ग में सपना ने गोल्ड मेडल जीता। लड़कों के विभिन्न आयु वर्ग में 12-14 में पप्पू को गोल्ड, अंकित को सिल्वर एवं विशाल को ब्रांज मेडल, 14-16 में अरूण को गोल्ड , दीपक को सिल्वर एवं शोबाज को ब्रांज मेडल, 16-18 में जतिन को गोल्ड, अविन को सिल्वर एवं मोनू को ब्रांज मेडल, 18-20 में कुनाल को गोल्ड सोनू को सिल्वर एवं विशाल को ब्रांज मेडल 20-30 आयु वर्ग में आशीष को गोल्ड, मनीष को सिल्वर एवं प्रियांशु ने ब्रांज मेडल जीता। जतीन व अविन ने 60 मीटर से ज्यादा थ्रो कर के आकर्षण का केंद्र बने रहे। वि

पंजाबी गायक शमिंदर शम्मी की गायकी ने सभी का मन मोह लिया। अंतरराष्ट्रीय जेवलिन थ्रो में सिल्वर पदक विजेता गुलशन शर्मा ने खेल मैदान जैसी सुविधाओ के लिए सैनी एजुकेशन सोसायटी, एनसीसी के बच्चों का धन्यवाद किया व एमटीएफ सी की पूरी टीम का धन्यवाद किया।

विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित

विजेता खिलाड़ियों को मुख्य अतिथियों सत जींदा कल्याणा कॉलेज के प्राचार्य डाक्टर नरेश दुआ, सैनी एजुकेशन सोसायटी के प्रधान अवनीश सैनी, कार्यक्रम आयोजक गुलशन शर्मा, समाजसेवक बच्चन राम अरोड़ा, युवा नेता हिमांशु ग्रोवर ने सभी खिलाड़ियों को फिट है तो हिट है का मूल मंत्र का महत्व बताया, युवा नेता दीपू नागपाल, निगम पार्षद मुक्ता नागपाल, मंच संचालक पंडित राजेंद्र शर्मा, रक्त दाता प्रेरक जय जेपी गौड़, वरुण सिंगला ने बच्चों को मेडल व सर्टिफिकेट दे कर सम्मानित किया।

जोर शोर से चली स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिला शिक्षा विभाग की ओर से रोहतक में जोर शोर से स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां जारी हैं। जिला शिक्षा अधिकारी मनजीत मलिक के निर्देशन में स्वतंत्रता दिवस के समारोह में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियों ने जोर पकड़ा।

जिला शिक्षा विभाग की ओर से विभिन्न अधिकारियों को इस सांस्कृतिक आयोजन की विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई है। इसी कड़ी में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की नोडल अधिकारी डिप्टी डीईओ मुन्नी देवी ने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए जिले के 16 निजी एवं सरकारी स्कूलों की टीमें अपने स्कूलों में तैयारी में लगी हैं। स्वतंत्रता दिवस के आयोजन के लिए 11 अगस्त को राजीव गांधी खेल परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम के इवेंट्स का फाइनल सिलेक्शन अतिरिक्त उपायुक्त तथा जिला नगराधीश द्वारा किया जाएगा। ग्राउंड इवेंट्स की नोडल अधिकारी सुनीता चहल ने बताया कि प्राचार्य अशोक नांदल, सुरेंद्र, संजय हुड्डा, पवन कुमार, नरेश कुमार के नेतृत्व में एईओ संजय कुमार, सभी डीपीई तथा पीटीआई राजीव गांधी खेल परिसर में विभिन्न स्कूलों की टीमों को पीटी, डम्बल, लेजियम का अभ्यास करवा रहे हैं, जबकि बलराज के नेतृत्व में स्काउट गाइड की टुकड़ी परेड एवं मार्च पास्ट की तैयारियों में लगी है।

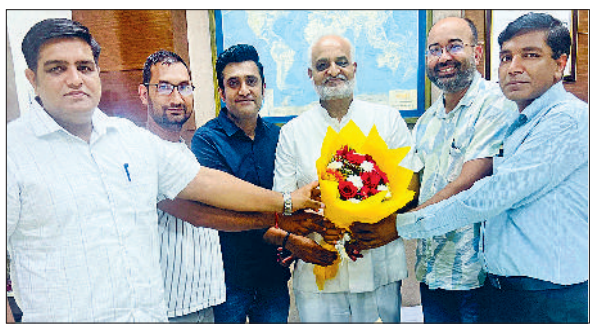

रोहतक। प्रोफेसर डॉ. एससी मलिक को डीन, एकेडमिक अफेयर्स नियुक्त किए जाने पर पुष्पगुच्छ भेंट करते विभागाध्यक्ष प्रो. दीपक कौशिक, प्राध्यापक डॉ. अनुराग खटकड़ एवं डॉ. विनीत मित्तल। *फोटो : हरिभूमि*

प्रो. एससी मलिक को डीन एकेडमिक अफेयर्स बनने पर दी बधाई

- प्रो. मलिक के नेतृत्व में शिक्षा एवं शोध के नए आयाम स्थापित होने की जताई उम्मीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग ने सीनियर प्रोफेसर डॉ. एससी मलिक को डीन, एकेडमिक अफेयर्स नियुक्त किए जाने पर पुष्पगुच्छ भेंट कर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. दीपक कौशिक, प्राध्यापक डॉ. अनुराग खटकड़ एवं डॉ. विनीत मित्तल विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी शिक्षकों ने प्रो. एससी मलिक को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके कुशल नेतृत्व, अनुभव और दूरदृष्टि के साथ विश्वविद्यालय शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। प्रो. एससी मलिक ने आभार जताते हुए कहा कि शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के हितों में उत्कृष्ट शोध एवं शिक्षण कार्य को प्रोत्साहन देने के लिए वे प्रतिबद्ध हैं।

प्रो. दीपक कौशिक ने कहा कि प्रो. मलिक का शैक्षणिक और प्रशासनिक अनुभव छात्रों एवं शिक्षकों दोनों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। डॉ. अनुराग खटकड़ एवं डॉ. विनीत मित्तल ने भी आशा व्यक्त की कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और अनुसंधान संस्कृति को सशक्त बनाने में उनका योगदान निर्णायक सिद्ध होगा।

गौरतलब है कि प्रो. एस.सी. मलिक लंबे समय से महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में विभिन्न शैक्षणिक एवं प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन करते आ रहे हैं, और शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सभी के लिए अनुकरणीय रही है।

सैमाण गांव के अंदर घुसा बरसात का पानी, बस स्टैंड पर दुर्घटना का अंदेशा

- वाहन चालकों के लिए सड़क, जोहड़ व नाले का अनुमान लगाना हुआ मुश्किल
- गांव में प्रवेश करना और गांव से बाहर निकला हुआ दुभर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

सैमाण गांव के रकबे में जलस्तर बढ़ रहा है। बरसाती पानी अब गांव तक पहुंच गया है। गांव के बस अड्डे पर इतना पानी जमा हो गया है कि वहां पर दुर्घटना का अंदेशा हो गया है। बस अड्डे पर अत्यधिक पानी जमा हो जाने से वाहन चालकों और यात्रियों की आवागमन में परेशानी हो रही है। वाहन चालक पानी में से अपने वाहनों को गुजारने पर मजबूर हैं। यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि इस गांव में बस अड्डे के हालात ऐसे हो गए हैं कि यहां वाहन चालकों और यात्रियों की जान को खतरा बना हुआ है। क्योंकि इस पानी के अंदर सड़क, जोहड़ और नाले का अनुमान लगाना मुश्किल हो गया है। कई वाहन नाले में उतर चुके हैं। गनीमत यह है कि कोई वाहन तालाब में नहीं उतरा है।

महम। सैमाण गांव के बस अड्डे पर पानी के बीच से गुजरते दुपहिया वाहन चालक।

हादसे के साए में ग्रामीण

ग्रामीणों का कहना है कि यहां पर कोई भी बड़ा हादसा हो सकता है। पूर्व सरपंच प्रतिनिधि सुनील कुमार उर्फ काला ने बताया कि रात को भी ग्रामीणों को गांव में आना और यहां से बाहर जाना पड़ता है। दिन के समय तो धीरे धीरे अंदाजा लगाकर वाहन चालक अपने वाहनों को निकाल लेते हैं लेकिन रात के अंधेरे में यहां कोई भी दुर्घटना होने का अंदेशा बना हुआ है। दूसरा बाहर से आने वाले वाहन चालक अनजान होते हैं, उनको पानी के अंदर पता नहीं होता कि सड़क का मोड़ किस तरफ है। इसलिए वाहन दुर्घटनाग्रस्त होने व व्हीकल के तालाब में डूबने का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पानी निकासी की मांग की है। ताकि वे उन्हें गांव में प्रवेश करने और गांव से बाहर निकलने में दिक्कत न आए।

डीसी ने दी रक्षा बंधन की शुभकामनाएं

रोहतक। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने जिलावासियों को भाई-बहन के पवित्र त्योहार रक्षा बंधन की शुभकामनाएं दी है। शिक्षा भारती विद्यालय की छात्राओं ने प्राचार्या ममता भोला के नेतृत्व में उपायुक्त को राखी बांधकर दीर्घायु की कामना की। धर्मेंद्र सिंह ने राखी बांधने वाली छात्राओं व विद्यालय की प्राचार्या ममता भोला को रक्षा बंधन पर्व की शुभकामनाएं दी।

राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में मनाया सावन उत्सव

रोहतक। राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में बृहस्पतिवार को सावन उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन लाडली हॉस्टल में किया गया। इस प्रोग्राम का शुभारंभ प्राचार्य डा. शमशेर सिंह हुड्डा ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उपप्राचार्या डॉ. मीनू नैन, कार्यक्रम संयोजिका डॉ. प्रवीन खत्री, डॉ. दीपक मलिक के इलावा कॉलेज काउंसिल मैंबर उपस्थित रहे।

सूचना

मैं, बलजीत पुत्र बनवारी निवासी भैणी सुरजन, तहसील महम, जिला रोहतक बयान करता हूं कि मेरा पुत्र नीरज मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

OFFICE OF THE PRINCIPAL
MAHARANI KISHORI JAT KANYA MAHAVIDYALAYA, ROHTAK
'A' Grade College Accredited by NAAC
(Affiliated to M.D. University, Rohtak & Recognised by DHE Haryana)
email: mkjkmrtk@gmail.com, Ph. 8950815595 01262-274660

निविदा सूचना

इच्छुक केवल महिला वर्ग (45 वर्ष से ऊपर) से महाविद्यालय की कैंटीन एवं छात्रावास की मैस को चलाने हेतु अलग अलग निविदाएं आमंत्रित है। इच्छुक व्यक्ति अपनी निविदा प्रत्यक आइटम के मूल्य के साथ दिनांक 20-08-2025 तक कार्यालय में दोपहर 3 बजे तक या इससे पहले भी जमा करवा सकते हैं। आवेदन फार्म सम्पूर्ण शर्तों के साथ कार्यालय से 1000/- रु प्रति निविदा के भुगतान उपरांत प्राप्त किया जा सकता है। निविदा की शर्तों का विवरण महाविद्यालय की वैबसाइट (www.mkjkcollege.org) पर भी उपलब्ध है।

Sd/- President
Jat Education Society (Regd.), Rohtak
Sd/- Principal
M.K.J.K. Mahavidyalya Rohtak

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
- RMO 4
- ICU STAFF 6
- NURSING STAFF 4
- PRO/MARKETING EXECUTIVE 2
- COMPUTER OPERATOR 1

नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

hartron
ISO 9001 : 2015
Enhance your talent
HARTRON
SKILL CENTRE For
Computer Education & Training
M.7206002575, 8929411222
Above IDBI Bank, Power House, Chowk, Rohtak
ADMISSION OPEN-2025

Sr. No.	Name of Course	Course Duration
1.	Computer Hardware and Networking Associate	52 (Weeks
2.	Course In Computer Application	52 (Weeks
3.	Course in Digital Accounting	52 (Weeks
4.	Course in Designing and Publishing	52 (Weeks
5.	Course in Web Technology	52 (Weeks
6.	Course in Software Development	52 (Weeks
7.	Advanced Course in Computer Application	52 (Weeks
8.	Digital Marketing Assistant	26 (Weeks
9.	Software Or Application Testing Assistant	26 (Weeks
10.	Assistant PHP Developer	26 (Weeks)
11.	Hardware Peripheral and Installation Assistant	26 (Weeks
12.	Application Development -Android	26 (Weeks
13.	Course in IT Foundation and Tools	26 (Weeks
14.	Certificate Course in Computer Basics & Accounting	26 (Weeks)
15.	Certificate Course in Web Designing and Multimedia	26 (Weeks
16.	C Language	04 (Weeks
17.	C Plus Plus With Oops	08 (Weeks)
18.	PHP With Mysql	04 (Weeks)
19.	Core Java	06 (Weeks
20.	Advance Java	08 (Weeks
21.	Financial Accounting	06 (Weeks)
22.	Autocad	08 (Weeks)
23.	Fundamentals of Cyber Security	06 (Weeks
24.	Programming with Python	12 (Weeks)
25.	Fundamentals of Computer	12 (Weeks)

खबर संक्षेप

संजय कुमार नपा कर्मचारी यूनियन के प्रधान बने

महम। वीरवार को नगरपालिका सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा से सम्बंधित महम नगरपालिका कर्मचारी यूनियन का चुनाव करवाया गया। नपा कार्यालय में सर्व कर्मचारी संघ नगरपालिका हरियाणा के राज्य प्रधान राजपाल की देखरेख में यह चुनाव सम्पन हुआ। महम नगरपालिका कर्मचारी यूनियन का संजय कुमार को सर्व सम्मति से प्रधान चुना गया। प्रधान संजय कुमार ने कहा कि उनको जो जिम्मेदारी दी गई है वे उस पर खरा उतरने की कोशिश करेंगे।

इनर व्हील क्लब ने बच्चों व वृद्धों को करवाया भोजन

रोहतक। इनर व्हील क्लब ने जन सेवा संस्थान के बच्चों और वृद्धों के साथ कुछ समय बिताया और भोजन सेवा दी। डॉ. कपिला गुप्ता ने इस आयोजन में सहयोग दिया। इस अवसर पर क्लब प्रेसिडेंट डॉ. कमलेश मलिक, सदस्य अंजू जैन, डॉ. सोनिया मलिक, निरुपम टुटेजा, सीमा आदि मौजूद रहे।

राज्य स्तरीय समारोह में सीएम करेंगे ध्वजारोहण

रोहतक। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने कहा है कि 15 अगस्त के अवसर पर जिला में आयोजित होने वाले 79 वें राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्यातिथि राष्ट्रीय ध्वजारोहण करेंगे। उन्होंने कहा है कि सभी अधिकारियों को राज्य स्तरीय समारोह के दृष्टिगत सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए गए है। सिंह ने कहा है कि जिला प्रशासन द्वारा स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में राजीव गांधी खेल स्टेडियम के मैदान में राज्य स्तरीय भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री द्वारा राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह से पूर्व महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय परिसर स्थित राज्य स्तरीय युद्ध स्मारक पर शहीदों को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देंगे। उपायुक्त ने कहा है कि मुख्यमंत्री द्वारा खुली जीप में सवार होकर परेड में शामिल टुकडियों का निरीक्षण किया जाएगा।

एमडीयू में पहली बार स्वतंत्रता दिवस समारोह नशे से आजादी को समर्पित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

अलग खबर

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में पहली बार स्वतंत्रता दिवस समारोह नशे से आजादी को समर्पित होगा। एमडीयू के-नशा मुक्त घर अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह में एक हजार नशा मुक्त परिवारों को विशेष रूप में आमंत्रित किया गया है। समारोह में नशा मुक्त सबसे बड़े परिवार द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा, जो अपने आप में एक अनूठी और ऐतिहासिक पहल होगी।

इस ऐतिहासिक आयोजन की तैयारियों को लेकर कुलपति प्रो. राजबीर सिंह की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुलपति ने संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रम की प्रभावशीलता सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है, जिसका समाधान केवल कानून से नहीं, बल्कि जागरूकता और सामूहिक प्रयासों से संभव है। एमडीयू इस दिशा में समाज को मार्गदर्शन देने के लिए कृतसंकल्प है।

नशा मुक्त सबसे बड़ा परिवार फहराएगा तिरंगा

नशा मुक्ति के प्रति व्यापक जन चेतना का संचार होगा : वीसी

कुलपति ने कहा कि एमडीयू प्रशासन की यह पहल न केवल शैक्षणिक परिसर तक सीमित रहेगी, बल्कि इसके जरिये समाज में नशा मुक्ति के प्रति व्यापक जन चेतना का संचार होगा। विश्वविद्यालय इस आयोजन के माध्यम से स्वतंत्रता दिवस को एक नई सामाजिक चेतना और प्रतिबद्धता के प्रतीक रूप में प्रस्तुत करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि आयोजन स्थल को देशभक्ति और नशा मुक्ति थीम के अनुरूप सजाया जाएगा।

नशा मुक्ति केवल व्यक्तिगत नहीं बल्कि सामूहिक प्रयासः डा. कृष्णकांत

डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. एससी. मलिक ने बैठक में कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से विवि युवाओं को सकारात्मक जीवन शैली अपनाने और नशा जैसे घातक तत्वों से दूर रहने का संदेश देगा। कुलसचिव डा. कृष्णकांत ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के माध्यम से नशा मुक्ति का संदेश दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयास है। स्कूल की निदेशिका प्रो. सुनीता सैनी ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला।

ये रहे मौजूद

बैठक में डीन, एकेडमिक अफेयर्स प्रो. एस.सी. मलिक, कुलसचिव डा. कृष्णकांत, डीन, सीडीसी प्रो. विनीता हुड्डा, प्रॉक्टर प्रो. रणदीप राणा, स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. सपना गर्ग, प्रो. सुरेन्द्र कुमार, प्रो. दीपक कौशिक, प्रो. सुनीता सैनी, सुनील जागलान, प्रो. अंजू धीमान, प्रो. सविता राठी, प्रो. सुरेन्द्र यादव, प्रो. सोनू, डा. प्रताप राठी, डा. विकास सिन्धु समेत अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर पुलिस अलर्ट
बम निरोधक दस्ते ने खंगाले कई होटल

बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और होटलों में चलाया विशेष चेकिंग अभियान, जांचा समान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई है। बृहस्पतिवार को पुलिस अधीक्षक नरेंद्र बिजराणिया के दिशा-निर्देशों पर रोहतक पुलिस ने विशेष चेकिंग अभियान चलाया। 15 अगस्त तक सभी पुलिस अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार गश्त करते रहेंगे। सभी होटल, रेस्टोरेंट, गेस्ट हाउस, धर्मशालाओं व अन्य ठहरने के स्थानों पर विशेष नजर रखेंगे। वहीं, बम निरोधक दस्ता प्रभारी निरीक्षक जगबीर के नेतृत्व में बम निरोधक दस्ता व स्वाट टीम द्वारा बृहस्पतिवार को अभियान शुरू करते हुए बस स्टैंड, पार्किंग, रेलवे स्टेशन आदि जगहों पर गहनता से जांच की गई।

संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश भी की जा रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि कोई भी व्यक्ति संदिग्ध दिखता है तो उसकी सूचना पुलिस को दें, जिसने भी अपने घर में किरायेदार या नौकर रखे हैं वह सत्यापन अवश्य करवा लें। बम निरोधक दस्ता प्रभारी निरीक्षक जगबीर ने बताया कि स्वाट टीम आधुनिक हथियारों से लैस है तथा किसी भी प्रकार की परिस्थिति से निपटने में सक्षम है। इसका सीधा सम्पर्क जिला कंट्रोल रुम तथा उच्च अधिकारियों से रहेंगा। वहीं, बम निरोधक दस्ता के पास बम का पता लगाने व निष्क्रिय करने के सक्षम उपकरण उपलब्ध है।

होटल में बिना आईडी के ठहरने के लिये रुम ना दे: बम निरोधक दस्ता प्रभारी निरीक्षक जगबीर ने बताया कि विशेष टीम द्वारा बस स्टैंड, पार्किंग, रेलवे स्टेशन आदि जगहों पर गहनता से जांच की गई। रेलवे स्टेशन व बस स्टैंड पर आने जाने वाले यात्रियों से गहनता से पूछताछ की गई। सभी होटल-धर्मशाला की चैकिंग की जा रही है व उन्हे सख्त हिदायत दी जा रही है कि अपने रिकॉर्ड में आईडी की फोटो कॉपी (आधार कार्ड) जमा करें। बिना आईडी के किसी को भी ठहरने के लिये रुम ना दे। किसी भी व्यक्ति द्वारा संदिग्ध गतिविधि पाई जाए तो तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचित करेंगे। आने वाले हर व्यक्ति की रजिस्टर में नाम, पता पूरा लिखेंगे।

रोहतक। अभियान के दौरान चेकिंग करते पुलिस की टीम। फोटो : हरिभूमि

स्क्वाड टीम व क्यूआर टीम ने बाजारों में की गश्त

शहर के प्रमुख स्थलों जैसे बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन आदि के अलावा शहर के बाजार व व्यस्त इलाके जैसे रेलवे रोड, किला रोड, कपड़ा मार्केट, शोरी मार्केट, बड़ा बाजार, गांधी कैंप मार्केट, भिवानी स्टैंड, डी-पार्क आदि जगहों पर गस्त करेगी तथा निरंतर जांच करेगी। अत्याधुनिक हथियारों से लैस स्क्वाड टीम-क्यूआर टीम जो आधुनिक हथियारों से लैस है शहर में निरंतर गश्त कर रही है।

डायल 112 पर दे सूचना

सभी पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा के संबंध में सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित गश्त करें और संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखें। कहा कि जिले में तैनात सभी राइडर-पीसीआर निरंतर गश्त में रहेंगी। लोग भी कोई संदिग्ध मिलने पर 112 पर सूचना दे सकते हैं। सूचना पर तत्काल कार्रवाई कर सूचना देने वाले को इनाम दिया जाएगा और पहचान गुप्त रखी जाएगी।

-नरेंद्र बिजराणिया, एसपी, रोहतक

हरकिशन मेमोरियल स्कूल में करियर काउंसलिंग सेमिनार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

■ मनोवैज्ञानिक प्रेरणा ने बच्चों को दी विस्तार से जानकारी

हरकिशन मेमोरियल पब्लिक स्कूल में पर्सनैलिटी केयर फाउंडेशन द्वारा करियर काउंसलिंग सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके भविष्य से संबंधित करियर के विकल्पों की जानकारी देना था और उन्हें इस बात के लिए प्रेरित करना था कि वे आत्मविश्लेषण के माध्यम से उचित निर्णय ले सकें। सेमिनार में मुख्य स्रोत व्यक्ति की भूमिका प्रेरणा ने निभाई, जो कि एक अनुभवी काउंसलिंग मनोवैज्ञानिक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को उन की रुचियों, क्षमताओं, समझ और व्यक्तित्व के आधार पर करियर चुनने के विभिन्न उपायों की जानकारी एवं अनुभव साझा किये। प्रेरणा ने करियर से संबंधित भ्रांतियों को दूर करने की कोशिश की और विभिन्न करियर विकल्पों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने आत्मविश्वास और आत्म-विश्लेषण को प्रोत्साहन देना तथा भावनात्मक और मानसिक मजबूती के लिए सुझाव दिये। सत्र के दौरान कई महत्वपूर्ण सवाल भी पूछे गये, जैसेः 10वीं के बाद कौन-सा विषय चुनें। हमारी रुचियों के अनुसार कौन-कौन से करियर विकल्प उपलब्ध हैं।

स्कूली खिलाड़ियों ने दिखाए जोहर

महम। खंड स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इन प्रतियोगिताओं में महम ब्लॉक के विद्यालयों के खिलाड़ियों ने सराहनीय प्रदर्शन किया। वीरवार को फुटबॉल और क्रिकेट के मुकाबले आयोजित किए गए। सरस्वती स्कूल महम में क्रिकेट खेलों के लिए ट्रायल लेकर खिलाड़ियों का चयन किया गया। फुटबॉल के फाइनल मुकाबले शुक्रवार को राजकीय वमावि बहलबा में करवाए जाएंगे। बीईओ सरिता खनगवाल ने खिलाड़ियों का हौसला बढाया। प्रधानाचार्य राजेश नांदल, संजय हुड्डा व मुकेश राठी ने भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। इस मौके पर शारीरिक शिक्षक हरेंद्र ढाका, मुकेश, राजेश आदि मौजूद रहे।

क्रिकेट में नवयुग स्कूल पहुंचा सेमीफाइनल में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

■ दुर्गेश, तेजस्वी और नितिन ने 2-2 विकेट लेकर पलटा मैच

नवयुग स्कूल की अंडर-14 क्रिकेट टीम ने स्कूल खेल प्रतियोगिता में अपना जोहर दिखाया और दा लिटिल श्री स्कूल के खिलाफ 62 रन बनाए और 41 रन पर आल आउट कर सेमीफाइनल में अपने जगह को सुरक्षित किया। मैच में सभी खिलाड़ियों ने उमदा प्रदर्शन किया। विशेष ने 22 रन बनाए और मुकुंद 15 रन और 1 ने विकेट लिया। दुर्गेश, तेजस्वी और नितिन ने 2-2 विकेट लेकर मैच को जितवाने में अहम योगदान दिया। नवयुग स्कूल की इस जीत के लिए सभी खिलाड़ी, कोच, अध्यापकगण, माता पिता और बच्चे बधाई के पात्र हैं।

भाविप की सेक्टर शाखा ने किया पौधरोपण

रोहतक। भारत विकास परिषद की सेक्टर शाखा द्वारा एक पौधा मां के नाम थीम के अंतर्गत पौधरोपण अभियान को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है। शाखा के सदस्यों की समितियों के उपसमूह बनाकर उन्हें शहर व आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में भेजा जा रहा है ताकि वे पौधे लगाएं, वितरित करें एवं यह सुनिश्चित करें कि लोग अपने घरों या आस-पास की खाली भूमि पर पौधरोपण करें। पर्यावरण संयोजक एमएल अरोड़ा के अनुसार, शाखा अपने इस अभियान को सामाजिक व पारिवारिक आयोजनों से भी जोड़ रही है।

अंबेडकर कॉलोनी के लोग पानी की किल्लत से परेशान

■ ऑनलाइन शिकायत को बिना समाधान के ही पोर्टल पर समाधान हुआ दिखा जा रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर की अंबेडकर कॉलोनी, गली नंबर 1, जो कि कन्हैली रोड पर स्थित है, वहां के निवासी पिछले तीन महीनों से पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं। जल संकट के कारण स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। पानी की सप्लाई अनियमित है और आने का कोई निश्चित समय नहीं है, जिससे लोग बार-बार नल चैक करते रहते हैं और रात-दिन परेशान रहते हैं। स्थानीय लोगों ने इस समस्या को लेकर जन स्वास्थ्य विभाग की टोल फ्री हेल्पलाइन 1800-180-5678 पर कई बार शिकायतें दर्ज करवाई हैं। लेकिन उन्हें हर बार निराशा ही हाथ लगी है।

कॉलोनीवासी अशोक कुमार जांगड़ा ने आरोप लगाते हुए बताया कि शिकायत दर्ज होते ही विभाग द्वारा बिना मौके पर आए, बिना समाधान किए ही शिकायत को 'रिजॉल्व्ड' यानी निस्तारित कर दिया जाता है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि विभाग के कर्मचारी न तो फोन पर संपर्क करते हैं, न ही मौके पर आकर समस्या को जांचते हैं। सिर्फ कागजों में समाधान दिखाकर फाइलें बंद कर दी जाती हैं, जबकि वास्तविक स्थिति जस की तस बनी हुई है।

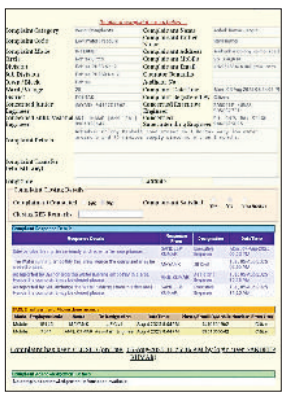

इन लोगों ने बताई समस्या

स्थानीय निवासी अशोक मोर्य, प्रदीप कुमार, मन्जू, ईश्वर सिंह, पवन, मीनू, सीमा, शान्ति देवी और किताबो देवी सहित अनेक लोगों ने बताया कि पानी की समस्या ने उनकी दिनचर्या को बुरी तरह से प्रभावित कर दिया है। बीते सात दिनों से तो हालात और भी खराब हो गए हैं, क्योंकि सुबह और शाम मिलाकर बमुश्किल 10 से 15 मिनट ही पानी की सप्लाई मिल रही है।

ज्ञापन सौंपने के बाद भी समाधान नहीं

स्थानीय लोगों ने इस बारे में कई बार प्रशासनिक अधिकारियों से भी मिलकर ज्ञापन सौंपा और समस्या के समाधान की मांग की, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। लोगों का कहना है कि उन्हें बार-बार सिर्फ आश्वासन दिया जा रहा है, लेकिन न तो नई पाइपलाइन डाली गई है और न ही किसी तरह का मरम्मत कार्य किया गया है।

मौके पर आकर समाधान करें विभाग

निवासियों ने मांग की है कि जन स्वास्थ्य विभाग मौके पर आकर समस्या की जांच करे और स्थायी समाधान निकाले। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाए कि जब तक पानी की आपूर्ति पूरी तरह बहाल नहीं होती, तब तक वैकल्पिक व्यवस्था के तहत टैंकरों के माध्यम से नियमित जल आपूर्ति की जाए। यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो कॉलोनी के लोग आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

ब्रेस्टफीडिंग सप्ताह

स्तनपान को लेकर महिलाओं में कई तरह के भ्रम

नौकरी करने वाली माताओं के कार्यस्थल पर हो स्तनपान कक्ष की स्थापना: कुलपति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हमें प्रयास करना होगा कि महिलाओं के दिमाग में अभी भी जो स्तनपान को लेकर भ्रम है, उसे दूर किया जाए। हमें स्तनपान को बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए, इसके लिए कुछ नीतियां का भी निर्माण होना चाहिए। जिसमें विशेष तौर पर नौकरी करने वाली माताओं को उनके कार्यस्थल पर स्तनपान कक्ष की स्थापना होनी चाहिए। यह कहना है पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल का। वे गुरुवार को लेक्चर थियेटर वन में स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग द्वारा ब्रेस्टफीडिंग सप्ताह के अंतिम दिन नर्सिंग कॉलेज के साथ मिलकर आयोजित की गई सीएमई कम वर्कशॉप में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित हुए थे।

कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने कहा कि स्तनपान के प्रति जागरूकता के लिए नर्सिंग कॉलेज की छात्राएं एक ब्रांड अंबेसडर की तरह कार्य कर सकती हैं। इसमें वें अपने आसपास के क्षेत्र व ग्रामीण स्तर पर महिलाओं को स्तनपान के फायदे बता सकती हैं। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि नवजात शिशु के लिए शुरू के 1 घंटे का दूध किसी वैक्सीन से कम नहीं होता। निदेशक डॉ. एसके सिंघल ने कहा कि स्तनपान का माताओं और नवजात दोनों को फायदा होता है। डॉ. पुष्पा दहिया ने कहा कि स्त्री रोग विभाग द्वारा ब्रेस्ट फीडिंग वीक पर एक दिन की सीएमई कम वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्तनपान के महत्व पर चर्चा की गई।

रोहतक। कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभांरभ करते कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल, निदेशक डॉ. एसके सिंघल, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष डॉ. पुष्पा दहिया व अन्य डॉक्टर।

मॉडल स्कूल महम के विद्यार्थियों ने जनसेवा संस्थान में स्टेशनरी व खाद्य सामग्री भेंट की

महम। मॉडल स्कूल महम के विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के साथ मिलकर जन सेवा संस्थान रोहतक का दौरा किया। वहां पर विद्यार्थियों ने स्वेच्छा से स्टेशनरी, खाद्य सामग्री, राखियां भेंट की। वहां मौजूद बच्चों के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया और उनको राखियां बांधी। मॉडल एजुकेशन सोसाइटी के चेयरपर्सन एवं जिला उपायुक्त धर्मेन्द्र सिंह तथा सचिव राजेश सहगल ने इस कदम की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। कहा कि भारतीय त्यौहारों को पूरे जोश और सामूहिक भागीदारी के साथ मनाना चाहिए। जिससे संस्कृति के साथ जुड़ाव और आपसी मेलजोल की भावना और प्रगाढ़ हो। इस पूरे कार्यक्रम का संचालन प्रभारी डॉ. हिमांशु शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। स्कूल प्रभारी शर्मा ने कहा कि इस आयोजन ने विद्यार्थियों के मन में सामाजिक सहभागिता, संवेदनशीलता और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति सम्मान को और सशक्त किया है।